

आशा सरकारी

784

ASHA ARCHIVES

Handwritten text in a cursive script, likely a form of shorthand or a specific dialect, spanning six lines across the top page of the manuscript. The script is dense and difficult to decipher without a key.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of shorthand or a specific dialect, located in the center of the bottom page.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of shorthand or a specific dialect, located in the lower left area of the bottom page.

Handwritten text in a cursive script, likely a form of shorthand or a specific dialect, located in the lower right area of the bottom page.

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ग नमो वि नम ॥ वा के श्व नम ॥ के ड डारवा ॥ म
नृ ष या त दित या य ॥ नाना उ पा न रु वा व ॥ ति ड म ति ड या सा
ति या य ॥ सु न पा न स्य क ड न प्र स न रु मा ल थ के ड डारवा के स न
उ वा रु ॥ रु व ग न ड ड ॥ थ यु थि स नाना उ पा न रु व या श्र म ति वि थि
न न का य ॥ रु व ॥ नो क न रु न क पा य या य ॥ थ व न स रु न क उ
पा न रु य ॥ उ वा न रु न रु व श्र म ति या य मा न ॥ ॥ व स रु स ग

रु व य ता स का या न य या र् ॥ हा क रु ता क द व या ॥ व रु द ता व
व या ॥ रु या ना य क का या क दि य व स ना ता म ति ड ॥ थ या श्र म ति
वि थि दा न वि थि ॥ रु स व ति वि थि ॥ ॥ उ व रु व रु या ॥ का प न
का स रु रु न स न रु नि व ॥ रु स म ना रु य व ॥ थ या श्र म ति ॥ हा म या
य ॥ द व रु ता या य ॥ या थ या रु क ॥ रु व रु व ति वि थि ॥ न ति दि न
ति १० रु दा न वि थि ॥ ॥ व रु ना न ति रु रु रु रु ॥ हा रु न या रु रु ॥

क॥ थु न न सांति ॥

॥ वं स कि न दा व या ॥ ग नाने थ रु प्र

का सि सा व या थु न रु उ डा व ना य क क्का सि य रु व ॥ व न ना स रु
य व ॥ थु या सा ति उ न उ वा या य ॥ सि उ न वा ता स ॥ ति थ या न
ष न या व उ न पृ शा या य ॥ पु वा क दू दू य रु वि दि दू य ॥ क स दू दू
न आ रु ति वि य ॥ ति न पा रु वु नु पा रु वृ न पा रु नु थु डा व दा
न वि य ॥ कि न दा व था य स ॥ सा न था स वं रु ग व न दा य ॥ सा न था

य स ॥ सा सा डा व ॥ व नि स रु य ॥ व द्वा ता उ न या रु क थु न न सांति ॥
॥ रु स मि दू स न रु व य व ॥ क मि उ दा य व ॥ ना ना उ रु व य व ॥
॥ मा स अ म रि ड ॥ सा मि सि य रु व ॥ मि न व य रु व ॥ थु या सां ति दि रु
न क्का या य मा न ॥ न व रु रु दा न वि य ॥ दा म या य ॥ रु रु वा स व ति वि य
क मि उ दा व था स ॥ सा सा डा व व नि स रु य ॥ न ति १० अ दा नः म नु था
था डा व दा न वि य ॥ ता रु न या रु क ॥

थु न न सांति ॥

॥ रु स रु ति रु वा यि व ॥ म वा

न वाति स न वाति व यि वः धु या रु न न ॥ रु ध न प नि त्वा य मा नि व ॥ ध
या सा ति ॥ क ल स पृ शा या य ॥ न व गृ ह्ण दान वि य ॥ वृ क्का न दान या य ॥ ध
न न सा ति ॥ ॥ रु स वि द्वा व याः स्वा मि मृ द श य ॥ नृ स हा न ध न हा
नि रु य व ॥ मि व त्वा य मा नि व ॥ रु स रु न क्का सा ति या य मा न ॥ रु रि त्वा
दा वः हा म या यः ये र न रु वा थ या रु केः रि ता रु ॥ म न रुः पि व निः सु थि ॥
क लिः रु कः सा व नः हा म सिः सि न प सिः स्व सिः वि नि हिः क प पृ षा न्ना

न व ॥ य य काः रु का ॥ मु सु ति द य ॥ ॥ ति व नि वि य ॥ क ता ॥ ला ता
ः रुः रि गृ लिः वा यः पृ त लिः ल तिः द स क न ॥ थ न रु न व स न
य ॥ वि दा हा व व या रा द था य स ॥ रा स्वा दा व ॥ व नि स न य ॥ ध
नः द दः का स वा ता रा स न या व ॥ नृ थ दा व दान वि यः द रि न्ना
न वि य ॥ वृ क्का न हा रु न या रु के ॥ थ न न सा ति ॥ ॥ वि दा न
न य न रु व वा दा या ॥ ~~॥ रु स रु न क्का~~ ॥ श न रु क या रु न ॥ मा हा ना रि रु य व

वनहानिरुमुव ॥ धुमसाति ॥ कु ३ १ आथुयावः ताऊनस ॥ विरा
उथयाव ॥ निवतपु ३ १ तास ॥ सातिव निविय ॥ वनदाकाकुसुतथ
दाव ॥ वृद्धानविम ॥ धुननसाति ॥ ॥ काशिः धुयाः तावरुवया

॥ धुकाः आदिनकाकया ॥ कसकुनेकासिसेरुव ॥ वनहानिरुमु
व ॥ वृद्धाताऊनयारुक ॥ नदानविम ॥ धुननसाति ॥ ॥ वनग
यवत ॥ देगलः सुः दुकषेकाया ॥ धुका ॥ कलसः आयनायाका ॥ ताव

नयावतिरेवतवुनया ॥ गऊन ॥ सुकुमिहव ॥ नसा ॥ ताकायाकदि
यव ॥ ॥ प्रकासिसेरुव ॥ दादानकादि ॥ धुयासाति ॥ कामयाय ॥ य
रुनकायाथयारुक ॥ दानसुकाकुतिविमः तमिदानविम ॥ नदानवि
म ॥ अनाविपति ॥ दवप्रकायाय ॥ वनिविम ॥ धुननसाति ॥ ॥ सुसय
ऊनः नयाकासः रुल्यकसथऊन ॥ नानासुतसिदावका निव ॥ धुया
ऊन ॥ सासिरेमनिरुतय ॥ पिदानका ॥ तिनयातसः नथदावः न्यावाता

यास॥ धै उ थं दाम॥ वृक्षा न दान विष॥ वृक्षा ला रु न या रु के धु न न
सां ति॥ ~~वृक्षा~~॥ अकासः सा न हा यः वः थ या रु नः त का च न सि य
व॥ थ या सां तिः न व ग रु दान विष॥ सां ति व नि विष॥ थ न सां ति॥
द व च र्तः दा सि दा व या द या॥ रु न॥ ना य क द्वाः दा सि न द्वा सि य व॥
सां ति॥ वृ दान विषः वृक्षा नः ला रु न या रु के॥ धु न न सां ति॥
गु नि सि न ना ना व॥ ज्ञा ता ता नि व॥ थ या रु नः सां मि म रु रु व॥ दा दा

न द्वा॥ थ या सां ति॥ क न स वृक्षा॥ ल र्थ रु द नः वि व दः वृ दान या य
॥ वृक्षा न दान विषः वृक्षा ला रु न या रु के॥ धु न न सां ति॥ ॥ ग ना
ने रु सा नः रु मि सः धु न न न स द मि वः रु त ला च र्तः सि व द व च
र्तः ग स द द य वः थ या रु नः स ल गा व द्वा सि मि वः स ना न द्वा॥ थ या
सां तिः व सि विषः सा दान विषः रु मि दान विषः वृ दान या यः या थ
या यः वृक्षा न ला रु न या रु के॥ धु न न सां ति॥ ॥ वृक्षा न थ व स

निजयाकेयः मयानिबः शु या मि सा या कु वा य द पिबः थ या रु न ॥
विग्रह नै ला य मा निबः मृत्तु रु य वः ष ना ने द्वा ॥ थ या सो मि ॥ दान
विषः सि रु न र वा ना सः ला रु न थ दा व य १० थ न (वा ने केः व द्वा ला रु
न के ॥ थ या सा मि ॥ म न रु या र्ज नु मा या वु पिबः स चा थिः कि सी
थः ता नु थः रु ना थः ना ना नु व वु ये वः न ना ना म रि ड ॥ थ या
सा मि ॥ हा म या यः क ल स व रु ना या य ॥ व द्वा न ला रु न या रु केः थ न

नै सा मि ॥ ॥ (ग नै म नु थ या ॥ सि न पि मा रु यु व ॥ आ गि रु यु
वः थ या रु नः ध न हा नि रु यु व ॥ थ या ग म निः व नि वि यः थ स द्वा
ग थ रु नैः स नि न सै थ रु ल ॥ वि सै ॥ ल थ द्वा व ॥ वे रु ग व न हा य ॥ ता
ला रु न ॥ ला न रु य ॥ व रु ना या य ॥ वृ न पा रु सः रु थ दा व दान वि यः व रु
दान वि यः व द्वा ला रु न या रु क ॥ थ न नै ग म नि ॥ ॥ रु द्वा ना स ॥ रु य
सः थ रु लः द्वा न ग म ग व या नि वः बा द याः म रु व य रु व ॥ द रु थ व रु व रु व

H 99
R 1
Q 99
J 32
H 92
H 90
K 8

आशा सहकारी

784

ASHA ARCHIVES

॥ नमो भगवते ॥ दास्युने ज्ञातुं युव ॥ ध्यातां निःदानयाय ॥
 लभ्यातु किमस्य वनं न काव ॥ ध्यातां य ॥ नृगतं नय ॥ दान
 यायः वाथ यायुः कः साद वलिवियः वृद्धा ता नययायुः क ॥ ध्या
 ने भगवते ॥ ॥ सुम विमिदा साद यायुः ॥ सादा यायुः क ॥ युव ॥
 दास्युने ज्ञातुः ध्यातां निः ॥ विदुः साद वयाः ध्यातां सयायमात ॥ नृगि
 नि थायाना याय ॥ भगवते ध्यातां ॥ नृगमान सियुव ॥ कसक नं ज्ञा ॥

ध्यातां निः ॥ साद याय ॥ वलिविय ॥ दानयाय ॥ कन सव तायाय ॥ ध्या
 तः कसिः सावनः रुद्र विमृताय दानयाय ॥ ता नययायुः क ॥ ध्याने
 भगवते ॥ ॥ विमिदावः नाथायावः ॥ सुसाद यायुः कः ॥ गिर्यं रु
 दः दाद ने ज्ञातुं युव ॥ ध्यातां निः ॥ निः जल नि ३१ ॥ नकाव ॥ सिरवा
 तायासः साभात याव ॥ काथान ने वृषाव ॥ दानवियः वाथ यायुः क ॥
 ता नययायुः क ॥ ध्याने सा नि ॥

ॐ ह्रीं श्रीं धनं ज्ञानं शुभं ॥ वा ॐ ह्रीं श्रीं धनं ज्ञानं शुभं ॥ उग्रसिंहा
ह्रीं धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
॥ सिद्धिं लब्ध्वा नामः धनं यदावः उग्रसिंहा ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
यः यं रुद्रायैः ॐ का धनं यदावः ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
वः का रुद्रायैः ॐ का धनं यदावः ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥

लस्य चरनं नमः ॥ नवरात्राय ॥ ३॥ का रुद्रायैः ॐ का धनं यदावः ॥
वियं सिद्धिं लब्ध्वा नामः धनं यदावः ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
नः यारुके ॥ वल्लभं दानं विभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ ॥ धनं यदावः ॥
॥ वल्लभं यदावः ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
दिशि वः ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥
॥ धनं यदावः ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥ धनं ज्ञानं शुभं ॥

नयाय ॥ ताऊ नयाय क ॥ थन नने सां नि ॥ ॥ हपिल न्या वि
ववया कनः सुसः का सासि र्य रुव ॥ दासि नकाः सां नियाय ॥ हा
नयाय ॥ द्वा सुसि र्य रुव ॥ सुद विम्व दानः सुद सि न विम्वः सा हाव
सि विम्वः पं रुवा हा न वृताः ताऊ न रुक ॥ थन नने सां नि ॥ ॥ गनाने
गल स थ रु वः गम ग थ रु वः गव ल नने म उः रु द व म् थि वः द स या नायः
क द्वा थि थि व ॥ स नाने रु ॥ सां नि यायः क ल स वृता याय ॥ हा म याय ॥ ता

सुकार सः द्वा लत यावः का था नने व यावः दान विम्वः ताऊ न याय क ॥ थ
नने सां नि ॥ ॥ रु स थ रु वः ग्री सु मा न स्व याः मा हा स ग नने यी वः न्या द्वा
न वृ क रु ग ल रु य उः या सा थि थि वा य सा थि उः रि रु दान विम्वः सु स
वलि विम्वः ॥ वृ द्वा दान याय थन नने सां नि ॥ ॥ थ व क स थ रु व ॥ रि रु ति ग
थि वः दासि नने रु सासि र्य रुव ॥ थ या सां नि यायः रि रु ति ग क थ य सः सा न्य य
वलि सत यः पात ३ व लि विम्वः उ ह या सु वः द य का उ दान यायः त मि दा

नः दक्षिणात्रविशः वलिनेष्वयः ताउनयारुके ॥ धृतनसंकि ॥
थवकपालय आतिकमवानिव ॥ द्वा सवने द्वा सि यिव ॥ धया सांकिः
मयाय ॥ कनसपुत्रायायः द्वा सवनदानविय ॥ धृतनसंकि ॥ ॥
सकि सिआः सनायाः ससयाः नादातथरुनः द्वा गिथरुनः द्वा यानथ
रुनः उंदया सपिल अनिव ॥ बुदामतिदः स्वाभिः मिदु रुयवः सौं गिया
य ॥ हामयाय ॥ पुर ३ः तान्नः ददः धविः नाः हिः थ ॥ वलियुका सयाय

वगग्रहपतिदानवियः ताउनयारुके ॥ धृतनसंकि ॥ ॥
वधुसववाया वसथरुन ॥ वा ॥ ॥ ॥ कयग्रति मास ॥ वसाः दाना ॥ दाद
यारुन ॥ स्वाभिः मिदु रुयवः थया ॥ ॥ ॥ वसदादथयस ॥ सौंतिवतिविया
तिथयववियाः कसत्रा द्वा दृतदान ॥ वधुवः रुंदविम्वदान ॥ दादथ
स ॥ येरुवि हिता ॥ सक्कयवियः थवरुक ॥ धृतनसंकी ॥ ॥ ॥
वया ॥ दया ॥ स ॥ मवया ॥ रुनः स्वाभिसिद ॥ दादानं द्वा ॥ धया सौंति ॥ क

लसवकायाय॥ सातिव निविशः तिहु दानः समस्त विदि॥ आया अया
 ना॥ नुदानविशः नुवुहा अयसः कउसः नव नहायः लाऊन यायु के
 थत न सा नि॥ ॥ अकसा अयस॥ वें रें जे॥ थस निया उमत
 थन न यव॥ दा दान दा मि तु रु य॥ थत न सा नि॥ दास यायः यें रु उ
 जाया थयायः नुदानविशः दव पुरु याय॥ साहव लि कीय॥ रु रु धे रु॥ या नि
 व॥ दव ल रु या॥ यें रु गावन लयः क सा नि पुरुः यें रु व लि विश॥ ला रु

नमो भगवते वासुदेवाय । कृतकर्मफलं
न दानेनापि मुमुक्षुः प्रपद्यते ॥ इति श्रीभक्तिसूत्रेण
प्रकाशितम् ॥ वलिविश्वः कुमाविता नमो भगवते ॥
इति श्रीभक्तिसूत्रेण प्रकाशितम् ॥ धनयासं यजुः पृथु-
र्यासं यजुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः
पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः
पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः पृथुः

काषयाय नमः ॥ आनसक नसा मृदु ॥ कनितः कनसा द्वायः सा
शसि युव ॥ वासक नसा ॥ आगिकुयः व्यानसक नसा ॥ नाक नसा
गवया नसा ॥ धनसा निकुय ॥ आनसक नसा शक नसा
वायसक नसा मिश्र युव ॥ सनाता मरिड ॥ थुया ॥ शानि ॥ या
क सव निविष ॥ अथान नकाषय नविष ॥ द्वाया या थु ॥ शानि ॥
॥ मंत्र ॥ वंथा नो हान ॥ दूति ॥ मन्त्र ॥ मन्त्र ॥ कति ॥ सुस

शडया रुत ॥ थुया मयक द्वायसि युव विनाता मरिड ॥ थुया सा नि
नामयाय ॥ कषसका नसा ॥ ॥ दूत नयाव ॥ रूड विमदा
नविष नयाव ॥ मरि थुकाव ॥ नूदान विष ॥ सादान विष ॥ नामयाय ॥
॥ देवल र्ते ॥ द्वासि द्वाव र्ते द्वाया ॥ रुत ॥ नायक द्वाया
रु नद्वा सि युव ॥ सा नि ॥ नूदान वि ॥ द्वाका ता रुत नयाव
के ॥ थु न नसा नि ॥

— 61 ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ

ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ
ከዚህ ልጅ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ ህይወት ስለሆነ